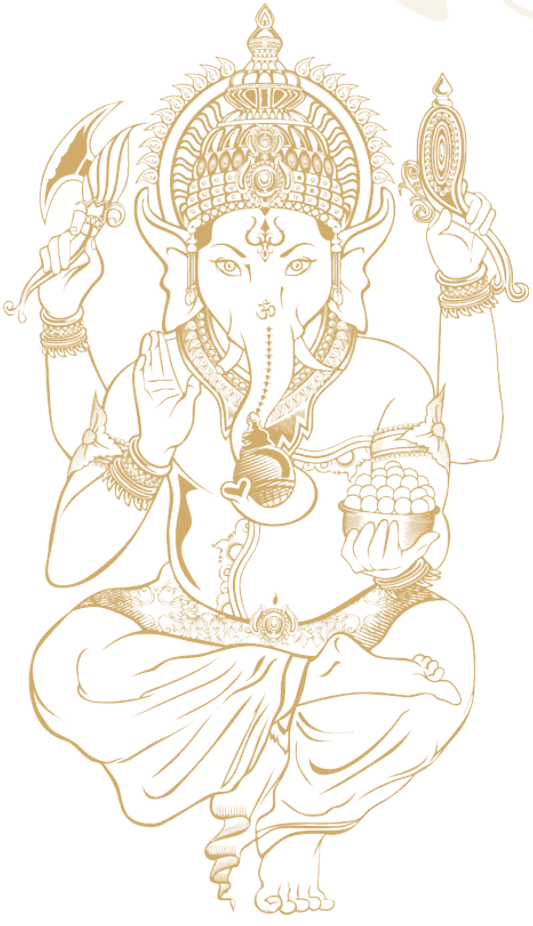

r.Vidhi Doughter Of Dipak Kotha

23 Sep 2024

09:25 AM

Chitorgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119517006

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/09/2024**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:25:00 घंटे**
इष्ट	07:40:53 घटी
स्थान	**Chitorgarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:53:00 उत्तर
रेखांश	74:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:53:32 घंटे
वेलान्तर	00:07:43 घंटे
साम्पातिक काल	09:03:31 घंटे
सूर्योदय	06:20:38 घंटे
सूर्यास्त	18:26:23 घंटे
दिनमान	12:05:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:25:03 कन्या
लग्न के अंश	16:53:12 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वाणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:53:12	316:25:01	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	06:25:03	00:58:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			वृष	16:02:38	13:53:02	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	16:25:33	00:33:08	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	29:56:29	01:51:17	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			वृष	26:42:21	00:03:10	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	05:51:54	01:13:06	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	20:42:03	00:04:20	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मीन	12:34:54	00:03:11	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	12:34:54	00:03:11	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	02:51:48	00:01:03	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		मीन	04:15:13	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो	व		मक	05:31:26	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कर्क	19:12:38	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:07

लग्न-चलित

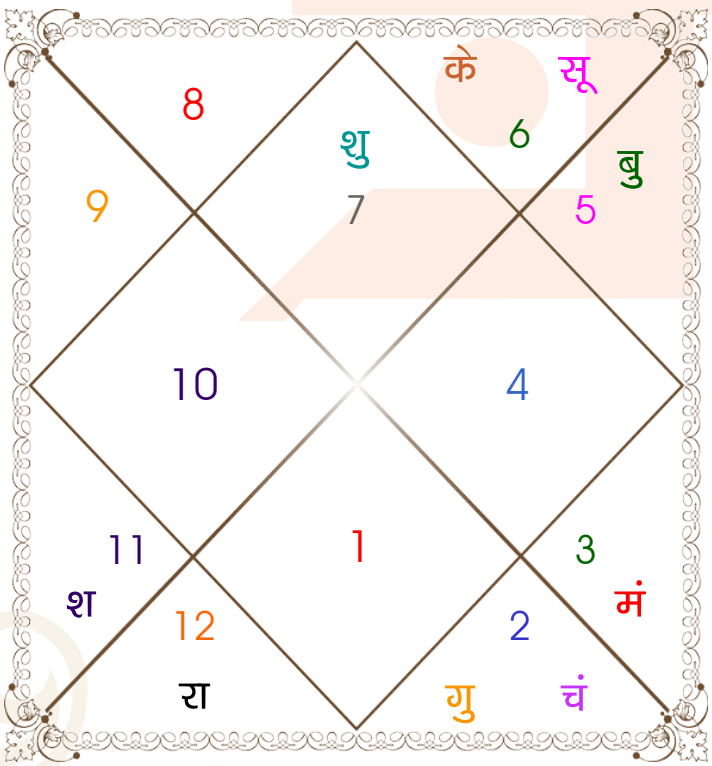

चन्द्र कुंडली

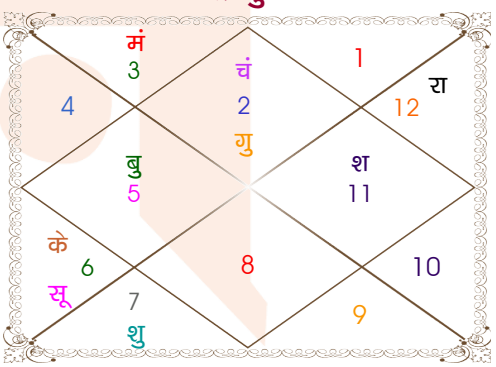

नवमांश कुंडली

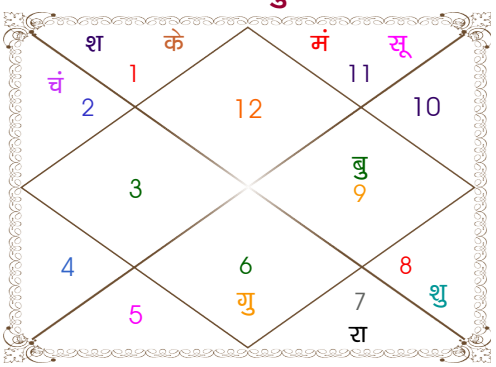

PT. Vishwas Dubey
HATOD DIST INDORE MP
9977779700

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 5 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/09/2024		13/03/2030		13/03/2037		13/03/2055		13/03/2071	
13/03/2030		13/03/2037		13/03/2055		13/03/2071		13/03/2090	
	00/00/0000	मंगल	09/08/2030	राहु	24/11/2039	गुरु	30/04/2057	शनि	16/03/2074
	00/00/0000	राहु	27/08/2031	गुरु	18/04/2042	शनि	12/11/2059	बुध	23/11/2076
	00/00/0000	गुरु	02/08/2032	शनि	22/02/2045	बुध	16/02/2062	केतु	02/01/2078
	23/09/2024	शनि	11/09/2033	बुध	12/09/2047	केतु	23/01/2063	शुक्र	03/03/2081
शनि	11/01/2026	बुध	08/09/2034	केतु	29/09/2048	शुक्र	23/09/2065	सूर्य	13/02/2082
बुध	12/06/2027	केतु	04/02/2035	शुक्र	30/09/2051	सूर्य	13/07/2066	चंद्र	15/09/2083
केतु	11/01/2028	शुक्र	06/04/2036	सूर्य	24/08/2052	चंद्र	12/11/2067	मंगल	24/10/2084
शुक्र	11/09/2029	सूर्य	11/08/2036	चंद्र	23/02/2054	मंगल	17/10/2068	राहु	30/08/2087
सूर्य	13/03/2030	चंद्र	13/03/2037	मंगल	13/03/2055	राहु	13/03/2071	गुरु	13/03/2090

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
13/03/2090		14/03/2107		14/03/2114		14/03/2134		13/03/2140	
14/03/2107		14/03/2114		14/03/2134		13/03/2140		00/00/0000	
बुध	08/08/2092	केतु	10/08/2107	शुक्र	13/07/2117	सूर्य	01/07/2134	चंद्र	12/01/2141
केतु	06/08/2093	शुक्र	09/10/2108	सूर्य	14/07/2118	चंद्र	31/12/2134	मंगल	13/08/2141
शुक्र	05/06/2096	सूर्य	14/02/2109	चंद्र	13/03/2120	मंगल	08/05/2135	राहु	12/02/2143
सूर्य	12/04/2097	चंद्र	15/09/2109	मंगल	13/05/2121	राहु	01/04/2136	गुरु	13/06/2144
चंद्र	11/09/2098	मंगल	11/02/2110	राहु	13/05/2124	गुरु	18/01/2137	शनि	24/09/2144
मंगल	09/09/2099	राहु	02/03/2111	गुरु	12/01/2127	शनि	31/12/2137		00/00/0000
राहु	29/03/2102	गुरु	06/02/2112	शनि	14/03/2130	बुध	06/11/2138		00/00/0000
गुरु	04/07/2104	शनि	17/03/2113	बुध	12/01/2133	केतु	14/03/2139		00/00/0000
शनि	14/03/2107	बुध	14/03/2114	केतु	14/03/2134	शुक्र	13/03/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 6 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।